राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,शनिवार, 20 जून 2026
वर्ष 14,अंक 71, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ाबालिग बालिका से बलात्कार का जघन्य अपराध, आरोपी अमरदीप उर्फ अमरजीत को 20 वर्ष का कठोर कारावास..03

चीन की धमकी और यूक्रेन का उदाहरण ताइवान में हर कोई सीख रहा ड्रोन उड़ाना...04

आयकर रिटर्न भरने वाले हो जाएं अलर्ट, हुआ ये बड़ा बदलाव

वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने वाले करदाताओं को इस बार कई महत्वपूर्ण बदलावों का सामना करना पड़ेगा। आयकर विभाग ने विभिन्न ढ्ढञ्जक्र फॉर्म में संशोधन करते हुए कैपिटल गेन, शेयर ट्रेडिंग, बैंक बैलेंस और टैक्स छूट से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी देना अनिवार्य कर दिया है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि आयकर विभाग अब वार्षिक सूचना विवरण (AIS), टीडीएस रिकॉर्ड, ब्रोकरेज रिपोर्ट और अन्य वित्तीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का मिलान कर रहा है। ऐसे में रिटर्न में दी गई जानकारी और विभाग के पास उपलब्ध डेटा के बीच किसी भी प्रकार का अंतर नोटिस या जांच का कारण बन सकता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट श्रेया गुप्ता गोयल के अनुसार, अब ITR फाइलिंग को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया मानना उचित नहीं होगा। करदाताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि रिटर्न में दी गई जानकारी विभाग के रिकॉर्ड से पूरी तरह मेल खाती हो।

ITR-1 (सहज) में प्रमुख बदलाव

नए प्रावधानों के तहत अब दो मकानों से आय प्राप्त करने वाले करदाता भी ITR-1 फॉर्म का उपयोग कर सकेंगे। पहले ऐसी स्थिति में ITR-2 दाखिल करना अनिवार्य था। इसके अलावा, सूचीबद्ध शेयरों और इक्विटी म्यूचुअल फंड से धारा 112A के तहत प्राप्त 1.25 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) को भी ITR-1 में दर्शाया जा सकेगा। करदाताओं को अब वैकल्पिक पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी अतिरिक्त संपर्क जानकारी भी देनी होगी। वहीं, विदेश से पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को विदेशी पेंशन खाते का विवरण देने से छूट दी गई है।

ITR-2 में बढ़ी रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी

ITR-2 फॉर्म में कैपिटल गेन से जुड़े लेनदेन की अधिक विस्तृत जानकारी मांगी जाएगी। साथ ही, शेयर बायबैक से होने वाले नुकसान की अलग से रिपोर्टिंग करनी होगी। विदेशी संपत्ति, विदेशी बैंक खाते, विदेशी शेयरों या विदेश से होने वाली आय की जानकारी देना पहले की तरह अनिवार्य रहेगा। इसके अतिरिक्त, करदाताओं को अतिरिक्त संपर्क विवरण देने का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है।

ITR-3 में ट्रेडिंग आय पर विशेष फोकस

ITR-3 फॉर्म में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O), इंट्राडे ट्रेडिंग, कमोडिटी ट्रेडिंग और करेंसी ट्रेडिंग से होने वाली आय की अलग-अलग जानकारी देना आवश्यक होगा। इसके साथ ही व्यापारिक गतिविधियों और बड़े वित्तीय लेनदेन से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी भी मांगी जाएगी। कुछ ऑडिट रिपोर्टिंग नियमों को सरल बनाया गया है तथा वैकल्पिक पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी दर्ज करने की सुविधा जोड़ी गई है।

ITR-4 (सुगम) में भी संशोधन

अनुमानित कराधान योजना (Presumptive Ta&ation Scheme) का लाभ लेने वाले करदाता अब दो मकानों तक की आय ITR-4 में दर्शा सकेंगे। धारा 112A के तहत 1.25 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन की रिपोर्टिंग भी इसी फॉर्म में संभव होगी। इसके अलावा, 31 मार्च 2026 तक बैंक खातों में उपलब्ध शेष राशि (बैंक बैलेंस) की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। विदेशी पेंशन खाते का विवरण देने की बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है।

राजनीतिक चंदे पर बढ़ी निगरानी

एस.के. पाटोदिया एलएलपी के एसोसिएट डायरेक्टर मिहिर तन्ना के अनुसार, राजनीतिक दलों को दिए गए दान पर 100 प्रतिशत कर छूट का दावा करने वाले कई करदाताओं को हाल के दिनों में नोटिस प्राप्त हुए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आयकर विभाग ने ITक्र फॉर्म में नया कॉलम जोड़ा है, जिसमें दान प्राप्त करने वाले राजनीतिक दल का पैन (PAN) नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा।

ITक्रदाखिल करने की अंतिम तिथि

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। वहीं, गैर-ऑडिट व्यवसायों और कुछ ट्रस्टों के लिए यह समयसीमा बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) ट्रेडिंग से आय अर्जित करने वाले करदाताओं को भी 31 अगस्त तक रिटर्न दाखिल करने की अनुमति होगी, क्योंकि ऐसी आय को व्यवसायिक आय की श्रेणी में रखा जाता है।

संशोधित रिटर्न दाखिल करने के नियम

आयकर विभाग ने संशोधित (Revised) रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा भी बढ़ा दी है। करदाता जनवरी 2027 से मार्च 2027 के बीच संशोधित रिटर्न जमा कर सकेंगे। हालांकि, इसके लिए 5 लाख रुपये तक की आय वाले करदाताओं को 1,000 रुपये और इससे अधिक आय वालों को 5,000 रुपये तक का विलंब शुल्क (Late Fee) देना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब आय छिपाने या किसी जानकारी को रिटर्न में शामिल न करने की संभावना बेहद कम हो गई है। आयकर विभाग को बैंक, म्यूचुअल फंड, ब्रोकरेज फर्म, नियोक्ता और अन्य संस्थानों से सीधे वित्तीय जानकारी प्राप्त होती है। ऐसे में करदाताओं को रिटर्न दाखिल करने से पहले सभी विवरणों का सावधानीपूर्वक सत्यापन कर लेना चाहिए।

जो जय श्रीराम बोलने वालों पर लाठियां चलवाते थे, आज राम-भक्तों की चिंता करने का दिखावा कर रहेः विपक्ष पर बरसे सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या पहुंचे. सबसे पहले उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के विवाद पर बयान दिया. सीएम हनुमान गढ़ी गए और रामलला के दर्शन भी किए लेकिन दर्शन के दौरान ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय मौजूद नहीं थे. ट्रस्ट के सभी वरिष्ठ सदस्य जिनके नाम जांच के घेरे में हैं, वो दर्शन पूजन के कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे. ये पहले से तय किया गया था. फिलहाल SIT की जांच का आज 5वां दिन है और मुख्यमंत्री ने भी अपने बयान में स्पष्ट कहा कि 15 दिन में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा, राम भक्त इंतजार करें. मुख्यमंत्री योगी के राम मंदिर में दर्शन के दौरान उनके साथ कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक अभय सिंह और अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी मौजूद रहे. इस दौरान मुख्यमंत्री ने दान राशि में गड़बड़ी पर पहली बार खुलकर बयान दिया. मुख्यमंत्री ने कहा, जिसके पास भी कोई सबूत है, वह एसआईटी को सौंप दे. सरकार ने जांच के लिए विशेष जांच दल गठित कर दिया है. दोषी कोई भी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा.

अब 15 दिन और इंतजार कर लीजिए

उन्होंने कहा, राम मंदिर आंदोलन के दौरान जो लोग कारसेवकों पर गोलियां चलाते थे, जो जय श्रीराम बोलने वालों पर लाठियां चलाते थे, वही लोग आज राम-भक्तों की चिंता करने का दिखावा कर रहे हैं. जनता सब जानती है. मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि 500 वर्षों तक राम भक्तों ने इंतजार किया है. अब 15 दिन और इंतजार कर लीजिए, सच्चाई सामने आ जाएगी अपने दौरे पर मुख्यमंत्री ने करीब 378 करोड़ रुपये की 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इसके अलावा उन्होंने रामायण वैक्स म्यूजियम के उद्घाटन समेत कई विकास योजनाओं को हरी झंडी दिखाई. मुख्यमंत्री ने महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया. साथ ही श्रीराम कथा कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संत समाज के बीच मौजूद रहे.

क्यों अहम है सीएम का अयोध्या दौरा?

इस दौरे को राजनीतिक रूप से भी बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि हाल के दिनों में राम मंदिर दान प्रबंधन को लेकर उठे सवालों के बीच विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है. मुख्यमंत्री के बयान के बाद अब स्ढ्ढञ्ज जांच पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं. मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने फिर राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद पर बयान दिया. उन्होंने कहा कि जब भी भारत किसी भी कालखंड मे अच्छी दिशा में बढ़ा है तो षड्यंत्रकारियों की नींद हराम हुई है. वो साजिश फिर से शुरू हो गई है. अयोध्या धाम को बदनाम करने के लिए, रामजन्मभूमि पर उंगली उठाने के लिए, पूरी परंपरा को कोसने के लिए. जो लोग कभी अयोध्या में रामलला का दर्शन करने नहीं आए, वो लोग आज रामभक्ति की बात कर रहे हैं, ये दोहरे चरित्र को देखिए.

दोहरे आचरण वालों से सावधान रहना होगा

सीएम ने कहा, जिन लोगों के शासनकाल में भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़े किए गए, जो लोग उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दाखिल करते थे, जो लोग राम-भक्तों पर लाठियां चलाते थे, वो आज रामभक्ति की दुहाई दे रहे हैं. इन दोहरे आचरण वालों से सावधान रहना होगा. 500 वर्षों तक हमारी पीढ़ियों ने संघर्ष किया. इंतज़ार किया तब ये दिन आए हैं. अगर कहीं कोई खामी है, श्रीराम जन्मभूमितीर्थ क्षेत्र न्यास ने सरकार से अनुरोध किया, हमने एसआईटी गठन किया. उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जब इन्हें अवसर मिलता था तो ये लोग कुंभ पर उंगली उठाते थे. कहते थे कि कुंभ में भेदभाव होता है. एक ही संगम पर जहां संत भी स्नान करता है और एक सफाईकर्मी भी स्नान करता है, उस सनातन धर्म पर पर ये लोग उंगली उठाते थे. सत्ता में रहते हुए इन लोगों ने कुंभ आयोजन को भगदड़ का, अव्यवस्था का, लूट खसोट का अड्डा बना लिया था.

संक्षिप्त ख़बरें

लखनऊ में 17 साल की छात्रा ने दी जान, NEET एग्जाम कैंसिल होने से डिप्रेशन में थी सुहानी, री-एग्जाम से पहले उठाया खौफनाक कदम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाजार खाला थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी में नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) की तैयारी कर रही 17 वर्षीय एक छात्रा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। नीट की पुनःपरीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। पुलिस के अनुसार, छात्रा की पहचान सुहानी यादव (17) के रूप में हुई है। बाजार खाला थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने बताया कि सुहानी का परिवार मूलरूप से बिहार के पटना का रहने वाला है। उसके पिता रणजीत यादव रेलवे में 'टीटी' हैं और परिवार ऐशबाग रेलवे कॉलोनी में रहता है। उन्होंने कहा, ''16 जून की सुबह सुहानी अपने घर में पंखे पर फंदे से लटकी मिली। उसे तत्काल रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।'' पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखवा दिया है। परिजनों के अनुसार, सुहानी ने तीन मई को आयोजित नीट में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, पेपर लीक के आरोपों के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द कर दी थी और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई थी। परिवार का कहना है कि परीक्षा रद्द होने के बाद सुहानी तनाव में थी। कुछ दिनों बाद उसने दोबारा तैयारी शुरू कर दी, लेकिन आगामी परीक्षा को लेकर तनाव में थी। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

राम मंदिर में कैसे हुई अनुकल्प मिश्रा की एंट्री, कैसे बढ़ा कद? चंदा चोरी मामले में बड़े खुलासे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे. हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की. इसके राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए. इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय मौजूद नहीं थे. इससे पहले सीएम योगी ने साफ कर दिया कि किसी भी कीमत पर दोषी को बख्शा नहीं जाएगा. दूध का दूध पानी का पानी होगा. रामभक्तों से अपील है कि प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का पाठ पढ़ाया है, 500 वर्षों तक राम मंदिर के लिए संघर्ष किया, 15 दिन और देख लो, इंतजार कर लो. उधर, अनुकल्प मिश्रा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है. सूत्रों का कहना है कि काउंटिंग की जिम्मेदारी मिलने के बाद अनुकल्प ने रिश्तेदारों का एक नेटवर्क तैयार किया. इसके जरिए ही दानराशि में हेराफेरी की बात सामने आ रही है. दरअसल, SIT जांच 5वें दिन भी जारी है लेकिन अब तक FIR दर्ज नहीं की गई है. SIT की टीम ने अब तक 40 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की है. कहा जा रहा है कि चंपत राय से SIT ने 2 बार पूछताछ की है. जल्द ही अनिल मिश्रा से भी पूछताछ की जा सकती है. इस बीच चढ़ावा चोरी मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है.

प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही शुरू हो गया था चोरी का खेल

सूत्रों के मुताबिक, प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही चोरी का खेल शुरू हो गया था. 22 जनवरी 2024 के बाद से बड़े पैमाने पर चोरी हुई. मंदिर से चोरी की रकम करोड़ों तक पहुंच सकती है. शुरूआत में रोज 2-4 लाख नकदी चोरी की जाती थी. बाद में मंदिर से चोरी की रकम कई गुना तक बढ़ गई. जांच के केंद्र में अनुकल्प मिश्रा का नाम आ रहा है. सूत्रों के मुताबिक, एक ट्रस्टी की अनुशंसा पर अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति मंदिर में हुई. फिर अनुकल्प को काउंटिंग की जिम्मेदारी मिली. अनुकल्प ने रिश्तेदारों का एक नेटवर्क तैयार किया. इसी नेटवर्क के जरिए दानराशि में हेराफेरी की बात सामने आ रही है. 8 महीने पहले बहनोई लवकुश की नियुक्ति कराई. अनुकल्प का शिफ्ट के कर्मचारियों पर प्रभाव था. उसने कर्मचारियों पर प्रभाव में पूरे सिस्टम पर पकड़ बना ली.

चढ़ावा चोरी का पर्दाफाश कैसे हुआ?

5 जून को ट्रस्ट के लोग अचानक यात्री सुविधा केंद्र पहुंचे. सुरक्षाकर्मी को बुलाकर एक नोट गिनने वाली की तलाशी. तलाशी में कुछ पैसे मिले. फिर उससे गहन पूछताछ हुई. पूछताछ में कर्मचारी ने अनुकल्प,लवकुश के नाम आए. पदाधिकारियों ने इन लोगों को भी रोककर पूछताछ की. पूछताछ के बाद PFC के बाथरूम से बड़ी नकदी मिली. पूछताछ में पता चला कि कौशलपुरी में इनका अड्डा था. वहीं चोरी की रकम का बंटवारा किया जाता था. उधर, सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि राम काज में 'धोखा' देने वाला चंदा चोर नहीं बचेगा. इस बीच जांच की आंच कई लोगों तक पहुंच रही है. इसके घेरे में चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा भी हैं. मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं.

आज भाषण में धमकी ज्यादा क्यों थी? CM योगी के बयान पर बोले अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे पर तंज कसा और उनके बयान पर सवाल उठाया. अखिलेश यादव ने सोशल साइट फेसबुक पर लिखा आज के भाषण में बयान कम, धमकी अधिक क्यों थी? आज का कार्यक्रम अचानक बना था या जिस दिन SIT बनी थी, उस दिन? अखिलेश यादव ने कहा कि सूत्र ये क्यों कह रहे हैं कि स्थानीय भाजपाई विधायकों और पदाधिकारियों के कहने पर ये कार्यक्रम अचानक तय किया गया, जिससे कि भाजपा की राजनीति जमीन बचाई जा सके नहीं तो अयोध्या मंडल ही नहीं, पूरे उप्र में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय है.

अखिलेश यादव ने बोला हमला

अखिलेश यादव ने आगे लिखा, भौतिक रूप से भ्रमण कर, उस स्ढ्ढञ्ज के काम को प्रभावित करने की कोशिश न की जाए, जो पहले से ही विवादास्पद सदस्यों और कलंकित छवि के कारण शंकाओं के घेरे में है.

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज वहां चेहरा उतरा हुआ क्यों था? आवाज को तो जानबूझकर ऊंची करने का प्रयास पूरा था लेकिन आत्मविश्वास शून्य क्यों था? इस बार अपने खास लोगों से मिले क्यों नहीं? जनता कह रही है दूध का दूध, पानी का पानी नहीं सोने का सोना, चांदी की चांदी करें. चढ़ाए गये पैसों, अनमोल शिलाओं के अलावा बहुमूल्य धातुओं और जेवरों का भी हिसाब देना ही पड़ेगा.

दोषी को बख्शा नहीं जाएगा... सीएम योगी

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र मामले पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की आलोचना की. उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने श्री राम के होने को नकारा और राम भक्तों पर लाठीचार्ज और फायरिंग का आदेश दिया, वे अब दूसरों को उपदेश दे रहे हैं. वे अयोध्या का अपमान करने की बुरी कोशिश कर रहे हैं. ' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अखबारों के जरिए अयोध्या के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, सरकार ने ट्रस्ट के अनुरोध पर एक SIT जांच बनाई. SIT सच को झूठ से अलग करेगी और बिना किसी शक के पूरे तथ्य सामने लाएगी. उन्होंने अपील की कि जब तक SIT रिपोर्ट जमा नहीं हो जाती, तब तक ऐसा कोई बयान न दिया जाए जिससे राम भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचे. अगर किसी के पास डॉक्यूमेंट्री सबूत हैं, तो उन्हें SIT को सौंपना चाहिए. सीएम ने राम भक्तों से विनम्र अपील करते हुए कहा, 'श्री राम ने मर्यादा और संयम की शिक्षा दी, इसलिए सभी को मर्यादा बनाए रखनी चाहिए. हमारे पूर्वजों ने भगवान श्री राम की जन्मभूमि की मर्यादा बनाए रखते हुए 500 साल तक संघर्ष किया, और लोगों को 15 दिन और इंतजार करना चाहिए. अगर कोई दोषी है, तो यह पक्का है कि वे चाहे कोई भी हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा.

औरैया में फर्जी अपहरण केस का खुलासा, 2 करोड़ की उधारी से बचने के लिए रचा था ड्रामा... हिरासत में लिया गया आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां कथित किडनैपिंग की सूचना ने पुलिस को अलर्ट मोड पर ला दिया. हालांकि, जब पुलिस ने मामले की गहराई से जांच की, तो पूरा सच सामने आते ही हर कोई हैरान रह गया. यह मामला अपहरण का नहीं बल्कि करोड़ों रुपये के लेनदेन से जुड़ा निकला. पुलिस ने गुमराह वालों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. क्षेत्राधिकारी पुनीत मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 जून 2026 को सुबह करीब 10 बजे चिचौली अस्पताल के एक गार्ड की ओर से पुलिस को सूचना दी गई. सूचना में बताया गया कि एक व्यक्ति, जिसका नाम शक्तिघोष है, उसने दावा किया है कि कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया है. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी. मनगढ़ंत निकली अपहरण की कहानी शुरुआती जांच में पुलिस ने हर पहलू को गंभीरता से परखा. आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, संबंधित व्यक्तियों की गतिविधियों की जांच की गई और घटनास्थल से जुड़े सभी तथ्यों को खंगाला गया. लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, मामला पूरी तरह अलग दिशा में जाता दिखा. पुलिस जांच में सामने आया कि कथित किडनैपिंग की कहानी पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत थी. असल में मामला पैसों के बड़े लेनदेन से जुड़ा था. 2 करोड़ का विवाद जांच में पता चला कि शक्तिघोष ने बृज प्रसाद नामक व्यक्ति, जो मथुरा का निवासी है, से करीब 2 करोड़ रुपये लिए थे. जब बृज प्रसाद ने अपने पैसे वापस मांगे, तो शक्तिघोष ने उसे भरोसा दिलाया कि वह प्रयागराज में चलकर उसका पैसा लौटा देंगा. इसी सहमति के तहत दोनों पक्ष एक ही वाहन में सवार होकर मथुरा से प्रयागराज के लिए रवाना हुए. यात्रा के दौरान उनकी गाड़ी औरैया के पास खराब हो गई, जिसके चलते उन्हें एक परिचित के घर रुकना पड़ा.

जानें क्यों फैलाई झूठी कहानी

पुलिस के मुताबिक, शक्तिघोष पैसा लौटाने से बचना चाहता था. इसी वजह से उसने खुद को बचाने के लिए किडनैपिंग की फर्जी कहानी गढ़ी और पुलिस को गलत सूचना दी. जांच के बाद पुलिस ने सभी संबंधित पक्षों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि किडनैपिंग जैसी कोई घटना नहीं हुई थी. यह पूरी तरह से फर्जी सूचना थी, जिसे आर्थिक विवाद को छिपाने के लिए फैलाया गया.

दुनिया में बज रहा भारत की युवा शक्ति का डंका, PM मोदी ने गिनाई PM-VBRY की उपलब्धियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) के तहत करीब 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की. इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज इस कार्यक्रम से जुड़े युवा साथियों में मुझे भारत के उज्जवल भविष्य की तस्वीर दिखाई दे रही है. मैं अभी कुछ ही घंटे पहले फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा से आया हूं. G7 में विकसित देशों के दिग्गज नेताओं से मिला हूं. दुनिया आज भारत की युवा शक्ति की चर्चा कर रही है. भारत के टैलेंट, स्किल और सशक्त की चर्चा सब दूर तक हो रही है. पीएम मोदी ने कहा, दुनिया युवाओं की क्षमता को भलीभांति पहचाने लगी है. ऐसे समय में हमारी कोशिश है कि भारत का युवा अपनी क्षमता को अवसर में बदल सके और इसी सोच के साथ पीएम विकसित भारत रोजगार योजना का आरंभ हुआ है. यह रोजगार योजना सामान्य तौर पर सोचे जाने वाले योजना से बहुत आगे बढ़कर पहली नौकरी पाने वाले युवा के सपनों को शक्ति देनी वाली योजना है. ये युवा और उद्योगों के बीच एक मजबूत सेतु बनानी वाली योजना है.

फर्स्ट टाइम एम्प्लाइज को सोशल सिक्योरिटी का कवच मिला

पीएम ने कहा, यह युवा और उद्योगों के बीच एक मजबूत सेतु बनाने वाली योजना है. इस योजना से अब तक करीब 70 लाख जॉब सृजित हुई हैं. करीब 70 लाख फर्स्ट टाइम एम्प्लाइज को सोशल सिक्योरिटी का कवच मिला है. करीब 20 लाख युवा अपनी पहली नौकरी के 6 महीने पूरे भी कर चुके हैं. आज इन्हीं में से करीब 10 लाख युवा साथियों को अपनी पहली नौकरी में 6 महीने पूरे करने पर योजना के लाभार्थी होने के नाते इंसेंटिव भी मिल चुका है.

रोजगार मेला योजना नए भारत की पहचान

उन्होंने कहा, पीएम विकसित भारत रोजगार मेला योजना, इसी नए भारत की पहचान है. एक ऐसा भारत, जहां युवा को अवसर मिलें. उद्योग को प्रोत्साहन मिले. रोजगार निर्माण एक राष्ट्रीय अभियान बन जाए. भारत जैसे युवा देश में अवसरों के स्रोत जितने अधिक होंगे युवाओं के सपनों को उतनी ही अधिक उड़ान मिलेगी. इसी सोच के साथ बीते 12 साल में रोजगार के हर रास्ते को मजबूत किया गया है.

भारत अपने युवाओं को फ्यूचर रेडी बनाने में जुटा

प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो रही है. भारत भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहा है. दुनिया फ्यूचर टेक्नोलॉजी की ओर आगे बढ़ रही है. भारत अपने युवाओं को फ्यूचर रेडी बनाने में जुटा है. यही भारत के युवाओं के लिए सबसे बड़ा अवसर है. हमें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना है. कामयाबी की तरफ बढ़ता आपका हर कदम मेरी भी प्रेरणा है.

डांसिंग गर्ल- जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

[शेडिंग सिर्फ चित्र पर नहीं, इतिहास की समझ पर भी है]

[डांसिंग गर्ल पर परदा: इतिहास से संवाद या इतिहास पर संदेह?]

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल' आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500-2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक 'मधुरिमा' में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं?

डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एनसीईआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे 'उम्र के अनुकूल' बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है।

यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'सेंसरशिप' और 'फर्जी कलाकृति' का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं–यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है।

यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि

भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। सिंधु घाटी की प्राचीन परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है–बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था।

इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में यही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है–समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था–वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज़ कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा मंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरुआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

डांसिंग गर्ल विवाद किसी प्रतिमा का नहीं, हमारे आत्मविश्वास का है। राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी यह डांसिंग गर्ल हर वर्ष असंख्य विद्यार्थी और पर्यटक देखते हैं, और कोई उसे अश्लीलता नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उपलब्धि मानता है। यदि हम अपनी विरासत को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार नहीं कर सकते, तो उसके गौरव पर गर्व भी अधूरा है। इतिहास को ढक देने से वह बदलता नहीं, केवल हमारी समझ सीमित होती है। पाठ्यपुस्तकें ज्ञान की खिड़कियाँ हैं, नैतिकता की दीवारें नहीं। डांसिंग गर्ल को उसकी पूर्ण वास्तविकता के साथ स्वीकार करना ही उस सभ्यता का सच्चा सम्मान है, जिसने हजारों वर्ष पहले आत्मविश्वास को कांस्य में ढाल दिया था।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

पार्टियों की टूट व टूटता भरोसा: लोकतंत्र में सबसे बड़ा नुकसान यही है

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

चुनाव बाद पार्टियों का टूटना या ये कहिए कि दलबदल होना अब आम बात हो चली है। यह दलबदल क्षेत्रीय पार्टियों में सबसे अधिक होते है। लेकिन यहां नेताओं से लोगों का भरोसा टूट चुका होता है। क्योंकि लोगों ने अपने नेता को दूसरी पार्टी में रहते वोट दिया था जबकि नेताजी चुनाव बाद अन्य पार्टी में शामिल हो जाते है। पिछले 10 साल में भारत में 25 से ज्यादा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियां टूटीं। महाराष्ट्र में शिवसेना दो हिस्सों में बंटी, एनसीपी दो फाड़ हुई, बिहार में जेडीयू ने कई बार पाला बदला। हर बार कारण एक ही बताया जाता है - 'सिद्धांतों से समझौता', 'जनता के हित में फैसला'। लेकिन नतीजा एक ही निकलता है - वोटर का भरोसा टूटता।

टूट क्यों रही हैं पार्टियां? इस पर हमारी सोच वही है जो लगभग सभी की होती है। सत्ता और पद का गणित- पार्टी टूटने का 80% कारण विधायकों और सांसदों की टिकट और मंत्री पद की भूख है। जब हाईकमान टिकट काटता है या किसी और को आगे बढ़ाता है, तो नाराज नेता दूसरी पार्टी या नई पार्टी बना लेते हैं। परिवारवाद और हाईकमान कल्चर- कई क्षेत्रीय पार्टियां एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। जब दूसरी पीढ़ी तैयार होती है, तो पुराने नेता खुद को साइडलाइन महसूस करते हैं और बगावत करते हैं।

विचारधारा का कमजोर होना- पहले पार्टियों की पहचान किसी विचारधारा से होती थी। अब ज्यादातर पार्टियां 'पावर ब्लॉक' बन गई हैं। विचारधारा बदलते देर नहीं लगती, क्योंकि एजेंडा सत्ता है। वोटर का भरोसा कैसे टूटता है?- जब तुमने 2019 में किसी पार्टी को वोट दिया था, तुमने उसके घोषणापत्र, नेता और विचारधारा पर भरोसा किया था। 2023 में वही विधायक दूसरी पार्टी में चला जाए और 2024 में तीसरी पार्टी में, तो सवाल उठता है। मैंने वोट किसको दिया था? व्यक्ति को, सिंबल को, या पार्टी को?

क्या मेरा वोट मायने रखता है? अगर चुनाव के बाद गठबंधन बदल जाए तो जनादेश का मतलब क्या रहा? सब एक जैसे हैं- ये सनक नहीं, टूटे भरोसे की उपज है। 2023 के कर्नाटक और महाराष्ट्र चुनाव के बाद सीएसडीएस के सर्वे में 47% लोगों ने कहा कि 'दलबदल से लोकतंत्र कमजोर होता है'। इसका असर कहां दिखता है? चुनावी राजनीति पर- लोग अब स्थानीय उम्मीदवार देखने लगे हैं, पार्टी नहीं। 'पार्टी कोई भी हो, मेरा काम करे' वाला ट्रेंड बढ़ रहा है। नीति निर्माण पर- सरकारें अस्थिर हो जाती हैं। 5 साल का प्लान 2 साल में बदल जाता है क्योंकि गठबंधन बदल गया। युवा राजनीति से दूर हो रहे हैं- कॉलेज चुनावों में भी भागीदारी घट रही है। युवाओं को लगता है कि राजनीति सिर्फ सौदेबाजी है। नोटा का बढ़ना- 2019 के बाद से कई सीटों पर नोटा को मिले वोट 2-3% तक पहुंच गए हैं। ये विरोध का साइलेंट तरीका है।

दलबदल कानून कहां फेल हुआ?- 1985 में 52वां संविधान संशोधन लाकर दलबदल विरोधी कानून बनाया गया। मकसद था कि विधायक पार्टी न बदलें। लेकिन कानून में एक खामी छोड़ दी गई- अगर 2/3 विधायक साथ छोड़ दें तो वो 'विलय' कहलाता है और अयोग्यता नहीं लगती। इसी खामी का फायदा लेकर महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश में सरकारें गिरीं। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि स्पीकर का फैसला समय पर नहीं आता, जिससे कानून का मकसद ही खत्म हो जाता है। क्या हो सकता है समाधान?- 2/3 वाली छूट हटाओ- अगर पार्टी टूटती है तो सबको अयोग्य ठहराओ। फिर जनता के पास जाओ और दोबारा चुनाव लड़ो।

फंडिंग में पारदर्शिता- चुनाव आयोग को हर लेन-देन का हिसाब मिले ताकि नेताओं को खरीद-फरोख्त न हो सके। आंतरिक लोकतंत्र- पार्टियों में चुनाव हों, युवा और कार्यकर्ताओं की सुनवाई हो। जब अंदर लोकतंत्र होगा तो बाहर टूट कम होगी। वोटर एजुकेशन- लोगों को समझाना होगा कि वोट सिंबल को जाता है, व्यक्ति को नहीं। ये बात स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई जाए। स्थानीय मुद्दों पर वोट- लोग अब पानी, सड़क, स्कूल को देखकर वोट कर रहे हैं, न कि बड़े नेता के नाम पर। सोशल मीडिया पर जवाबदेही- विधायक अगर पाला बदलता है तो अगले 6 महीने तक ट्रोल होता है। ये डर कुछ हद तक काम कर रहा है। नए विकल्प की तलाश आप जैसे दल इसी भरोसे के संकट से पैदा हुए। पार्टियों का टूटना लोकतंत्र में स्वाभाविक है, लेकिन जब हर 2 साल में गठबंधन और दल बदल जाएं, तो जनता को लगता है कि उसका वोट सिर्फ सत्ता का सीढ़ी है। लोकतंत्र सिर्फ चुनाव नहीं है, ये भरोसे का कॉन्ट्रैक्ट है। जब पार्टियां उस कॉन्ट्रैक्ट को तोड़ती हैं, तो नुकसान वोटर को होता है। और एक बार भरोसा टूट जाए, तो उसे दोबारा जोड़ने में 10 साल लग जाते हैं। अगली बार जब कोई नेता पाला बदले, तो सवाल पूछेः 'तुम पार्टी बदले, मेरी समस्या बदली क्या?'

सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता संकट और जिम्मेदारी की जरूरत

'वडोदरा बस हादसा एक चेतावनी'

गुजरात के वडोदरा में हालोल-वडोदरा हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही एक निजी बस खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें आठ यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह ट्रक में समा गया। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों को घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारी सड़क सुरक्षा व्यवस्था, वाहन संचालन और यातायात अनुशासन पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

भारत में सड़क दुर्घटनाएं अब सामान्य खबर बन चुकी हैं। लगभग हर दिन कहीं न कहीं किसी बस, ट्रक, कार या दोपहिया वाहन की टक्कर में लोगों की जान जा रही है। दुखद बात यह है कि इन हादसों में केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, बल्कि उसके साथ पूरे परिवार की उम्मीदें और सपने भी समाप्त हो जाते हैं। परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए तो पीछे रह जाने वाले लोगों का जीवन आर्थिक और मानसिक संकट में घिर जाता है। तेज रफ्तार मौत का असली कारण है। सड़क दुर्घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण तेज रफ्तार है। आधुनिक वाहन पहले की तुलना में अधिक शक्तिशाली और तेज हो गए हैं, लेकिन सड़क पर चलने वाले अनेक लोग अभी भी यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं लेते। निर्धारित गति सीमा का पालन न करना, ओवरटेकिंग की होड़ और जल्द से जल्द गंतव्य तक पहुंचने की मानसिकता कई बार जानलेवा साबित होती है।विशेषज्ञों का मानना है कि किसी वाहन की गति जितनी अधिक होती है, दुर्घटना की स्थिति में उसके परिणाम उतने ही घातक होते हैं। चालक को वाहन नियंत्रित करने का समय कम मिलता है और टक्कर का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। वडोदरा हादसे में भी बस के ट्रक में घुस जाने से यह स्पष्ट होता है कि वाहन की गति काफी अधिक रही होगी या चालक समय पर वाहन नियंत्रित नहीं कर सका।

नींद की झपकी भी बनती है घातक

लंबी दूरी के वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा थकान और नींद है। बस और ट्रक चालक कई बार लगातार घंटों तक वाहन चलाते रहते हैं। पर्याप्त विश्राम नहीं मिलने पर उनकी एकाग्रता कम हो जाती है और कुछ सेकंड की झपकी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। रात और तड़के सुबह का समय विशेष रूप से जोखिम भरा माना जाता है। इसी समय शरीर स्वाभाविक रूप से विश्राम चाहता है और चालक को नींद आने की संभावना बढ़ जाती है। वडोदरा हादसा भी सुबह लगभग चार बजे हुआ, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। यदि चालक को झपकी आई हो या उसका ध्यान कुछ क्षण के लिए भटका हो तो परिणाम बेहद विनाशकारी हो सकते हैं।

इसलिए परिवहन कंपनियों और वाहन मालिकों की जिम्मेदारी है कि वे चालकों के कार्य घंटों को नियंत्रित करें और उन्हें पर्याप्त आराम का अवसर दें। केवल आर्थिक लाभ के लिए लगातार वाहन चलवाना मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है।

शराब पीकर वाहन चलाना गंभीर अपराध है। सड़क दुर्घटनाओं का एक अन्य बड़ा कारण शराब पीकर वाहन चलाना है। नशे की अवस्था में चालक की निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। वह दूरी, गति और खतरे का सही आकलन नहीं कर पाता। यही कारण है कि अधिकांश देशों में शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ कठोर कानून बनाए गए हैं। भारत में भी कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन और प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं, फिर भी बड़ी संख्या में लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। जब तक समाज में इस अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता की भावना विकसित नहीं होगी, तब तक दुर्घटनाओं में कमी लाना कठिन होगा।

सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। अक्सर दुर्घटना होने पर पूरा दोष सरकार, प्रशासन या सड़क निर्माण एजेंसियों पर डाल दिया जाता है। निस्संदेह सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षित सड़कें, उचित संकेतक, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और प्रभावी कानून उपलब्ध कराना है, लेकिन सड़क सुरक्षा केवल सरकार का विषय नहीं है। वाहन चालक, यात्री, वाहन मालिक और आम नागरिक भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना, मोबाइल फोन का उपयोग न करना और वाहन की नियमित जांच कराना जैसी छोटी-छोटी सावधानियां हजारों जीवन बचा सकती हैं।

जब तक नागरिक स्वयं नियमों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक केवल कानून बनाकर दुर्घटनाओं को नहीं रोका जा सकता।

कानून और दंड व्यवस्था पर प्रश्न उठते है।सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर यह सवाल उठता है कि दोषी चालकों को कठोर सजा क्यों नहीं मिलती। भारत में मोटर वाहन कानून समय-समय पर संशोधित किए गए हैं और जुर्माने भी बढ़ाए गए हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं की संख्या चिंताजनक बनी हुई है। समस्या केवल कानून की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की भी है। कई मामलों में जांच और न्यायिक प्रक्रिया लंबी चलती है। इससे लोगों में यह धारणा बन जाती है कि नियम तोड़ने पर गंभीर परिणाम नहीं होंगे। आवश्यकता है कि दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा हो और लापरवाही साबित होने पर दोषियों को कठोर दंड मिले। इससे समाज में कानून के प्रति सम्मान और भय दोनों उत्पन्न होंगे।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की चुनौती

भारत विश्व के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बहुत अधिक है। तेजी से बढ़ती वाहन संख्या, यातायात नियमों की अनदेखी, खराब ड्राइविंग संस्कृति और अपर्याप्त सड़क सुरक्षा जागरूकता इसके प्रमुख कारण हैं।

हर वर्ष लाखों लोग दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खो देते हैं। इनमें बड़ी संख्या युवा लोगों की होती है, जो देश की कार्यशील आबादी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस कारण दुर्घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक नुकसान का भी कारण बनती हैं।

यदि दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना है तो स्कूल स्तर से ही सड़क सुरक्षा शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। बच्चों और युवाओं में जिम्मेदार यातायात व्यवहार विकसित करना भविष्य की आवश्यकता है।

वडोदरा हादसे से सीख लेने की जरूरत है।वडोदरा का बस हादसा केवल एक समाचार नहीं है बल्कि एक चेतावनी है कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही कितनी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। आठ लोगों की जान चली गई, कई परिवारों ने अपने प्रियजन खो दिए और अनेक घायल जीवनभर उस दर्द को याद रखेंगे।

इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि चालक की सतर्कता, वाहन की तकनीकी स्थिति, सड़क पर खड़े वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। यदि इनमें से किसी एक पक्ष में भी कमी रह जाए तो परिणाम घातक हो सकते हैं।

सुरक्षित यातायात ही समाधान

सड़क दुर्घटनाएं किसी भी आधुनिक समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इनके कारण होने वाली मृत्यु और आर्थिक क्षति को केवल भाग्य या दुर्भाग्य कहकर नहीं टाला जा सकता। यह एक ऐसी समस्या है जिसे सामूहिक प्रयासों से काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सरकार को सड़कों और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाना होगा। परिवहन कंपनियों को चालक सुरक्षा और प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। पुलिस को नियमों का सख्ती से पालन कराना होगा और नागरिकों को जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाना होगा।

वडोदरा की यह दर्दनाक दुर्घटना हमें याद दिलाती है कि सड़क पर की गई एक छोटी सी गलती कई परिवारों के जीवन में अंधेरा ला सकती है। यदि हम सचमुच ऐसी घटनाओं को रोकना चाहते हैं तो सड़क सुरक्षा को केवल नियम नहीं बल्कि सामाजिक संस्कार बनाना होगा। तभी मानव जीवन की रक्षा संभव होगी और देश सुरक्षित यातायात की दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

कांतिलाल मांडोत

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का प्रतीक। आत्म सम्मान राष्ट्र की आत्मा

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि 'एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं ',पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'दैव दैव आलसी' पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता- राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं। **संजीव ठाकुर**

दैनिक राशिफल

मेष
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में संयम बरतें।

मिथुन
नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। अनावश्यक विवादों से बचें।

कर्क
भावनाओं पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक मामलों में धैर्य से काम लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

सिंह
नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

कन्या
योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला
दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

वृश्चिक
कार्यभार अधिक रह सकता है, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। निवेश के मामलों में विशेषज्ञ की सलाह लें।

धनु
भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मकर
धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता रहेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं।

कर्म सिद्धांत के आलोक में मोक्ष का मार्ग दिखाता है- गरुड़ महापुराण

भारतीय सनातन धर्म के अठारह महापुराणों में गरुड़ महापुराण का विशिष्ट स्थान है। यह केवल मृत्यु और परलोक का ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, कर्म और मोक्ष की दिशा प्रदान करने वाला एक महान आध्यात्मिक ग्रंथ है। इसमें भगवान श्री विष्णु द्वारा प्रतिपादित कर्म सिद्धांत का विस्तृत विवेचन मिलता है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने कर्मों के अनुसार फल प्राप्त करता है और अंततः मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। पुराणों के अनुसार पक्षीराज गरुड़ ने कठोर तपस्या कर भगवान श्री विष्णु को प्रसन्न किया। प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। तब गरुड़जी ने अपनी माता विनता को नागों की दासता से मुक्त कराने के साथ साथ मानव कल्याण और मोक्ष के गूढ़ रहस्यों को जानने की इच्छा व्यक्त की। भगवान विष्णु ने उनकी दोनों कामनाएँ पूर्ण करते हुए उन्हें वह दिव्य ज्ञान प्रदान किया, और गरुड़ जी को अपना वाहन बनाकर यह वरदान भी दिया कि यह ज्ञान भविष्य में गरुड़ महापुराण के नाम से समस्त लोकों में प्रसिद्ध होगा।

शास्त्रों में वर्णित है कि जिस प्रकार देवताओं में महादेव, वृक्षों में पीपल और नदियों में गंगा श्रेष्ठ मानी जाती हैं, उसी प्रकार पुराणों में गरुड़ महापुराण का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसकी महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ इसका श्रवण या पाठ करता है, उसे भौतिक सुखों के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। ऐसी मान्यता है कि जिन घरों में गरुड़ महापुराण का सम्मान पूर्वक स्थान होता है, वहाँ भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। समय के साथ एक भ्रांति समाज में प्रचलित हो गई कि गरुड़ महापुराण केवल किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद ही पढ़ा या सुनाया जाता है तथा इसे घर में रखना अशुभ माना जाता है। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। यह ग्रंथ जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञानकोश है, जिसे गीता, रामायण और अन्य पुराणों की भाँति किसी भी समय श्रद्धापूर्वक पढ़ा जा सकता है। वस्तुतः इसे केवल मृत्यु से जोड़कर देखना इसके व्यापक आध्यात्मिक संदेश को सीमित कर देना है।

गरुड़ महापुराण तीन प्रमुख भागों आचारकाण्ड, धर्मकांड (प्रेतकल्प) और ब्रह्मकांड में विभाजित है। आचारकाण्ड में सृष्टि की उत्पत्ति, ग्रह-नक्षत्रों का ज्ञान, भक्ति, वैराग्य, व्रत, तीर्थ और धर्माचरण का विस्तार से वर्णन मिलता है। धर्मकांड अथवा प्रेतकल्प में मृत्यु के बाद जीवात्मा की यात्रा, दाह-संस्कार, पिंडदान, श्राद्ध, दान तथा कर्म अनुसार स्वर्ग और नरक की अवस्थाओं का वर्णन किया गया है। वहीं ब्रह्मकांड में जीवात्मा के मोक्ष मार्ग और परम सत्य की प्राप्ति का गूढ़ विवेचन मिलता है। गरुड़ महापुराण का मूल संदेश है कि मनुष्य अपने कर्मों का स्वयं निर्माता है। मृत्यु के पश्चात न तो धन साथ जाता है और न ही सांसारिक वैभव; केवल उसके सत्कर्म, दान और पुण्य ही उसकी वास्तविक संपत्ति बनकर साथ चलते हैं। जीवन भर मन, वचन और कर्म से किए गए शुभ-अशुभ कार्यों के आधार पर ही जीवात्मा को उनके अनुरूप फल प्राप्त होता है। यही कर्म सिद्धांत इस ग्रंथ की केंद्रीय धुरी है।

हिंदू समाज में किसी परिजन की मृत्यु के पश्चात गरुड़ पुराण का पाठ कराने की परंपरा इसी उद्देश्य से विकसित हुई कि जीवित लोग जीवन की नश्वरता को समझें और धर्ममय आचरण की प्रेरणा ग्रहण करें। सामान्यतः इसमें गरुड़ महापुराण के द्वितीय खंड प्रेतकल्प के सोलह अध्यायों का वाचन कराया जाता है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली के कारण अधिकांश लोगों ने गरुड़ पुराण को केवल शोक अवसरों पर ही सुना है। आज अनेक लोग अपने पूर्वजों के श्राद्ध, तर्पण और अन्य धार्मिक कर्तव्यों को केवल औपचारिकता या दिखावे के रूप में निभाने लगे हैं। ऐसी स्थिति में इन कर्मों का वास्तविक आध्यात्मिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है और परिणामस्वरूप इसके व्यापक दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष से समाज का एक बड़ा वर्ग अनभिज्ञ है।

आज भौतिक समृद्धि और सुविधाओं के बावजूद परिवारों में बढ़ती अशांति, तनाव, कलह और मानसिक असंतोष चिंतन का विषय है और यह भी माना जाता है कि परिवार में निरंतर कलह, मानसिक अशांति और अनेक प्रकार की परेशानियाँ पितृदोष से संबंधित हो सकती हैं। शास्त्रों में पूर्वजों के प्रति कर्तव्यों की उपेक्षा को भी अनेक समस्याओं का कारण माना गया है। गरुड़ महापुराण स्पष्ट संदेश देता है कि श्राद्ध, तर्पण, दान और अन्य धार्मिक कर्तव्य केवल औपचारिकता या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धा, पवित्रता और निस्वार्थ भाव से किए जाने चाहिए। ऐसे कार्य दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ-साथ परिवार में सकारात्मक ऊर्जा, सुख और समृद्धि का वातावरण निर्मित करते हैं।

वस्तुतः गरुड़ महापुराण केवल मृत्यु का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। यह मनुष्य को सत्कर्म, सदाचार, करुणा, दान और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा बताता है कि मोक्ष कोई रहस्यमयी उपलब्धि नहीं, बल्कि श्रेष्ठ कर्मों और शुद्ध आचरण का स्वाभाविक परिणाम है। गरुड़ महापुराण मनुष्य को केवल मोक्ष का मार्ग ही नहीं दिखाता, बल्कि यह भी सिखाता है कि दिवंगत परिजनों की स्मृति में किए जाने वाले सभी कार्य श्रद्धा, पवित्रता, निष्कपट भाव और बिना किसी दिखावे के किए जाने चाहिए, ताकि उनके आशीर्वाद से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। गरुड़ महापुराण को अन्य धार्मिक ग्रंथों की भाँति किसी भी समय श्रद्धा और शुद्ध भाव से पढ़ा या सुना जा सकता है। इसमें वर्णित गूढ़ रहस्यों और जीवन-दर्शन को समझकर मनुष्य अपने जीवन को सद्कर्मों की दिशा में ले जा सकता है तथा अधर्म और कष्टों से बचते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो सकता है।

अरविंद रावल

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

पंकज श्रीवास्तव ने महासंघ के प्रति आभार व्यक्त किया

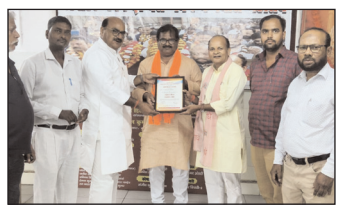

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे एवं महामंत्री सुशील कुमार बच्चा द्वारा वेटरनरी फार्मासिस्ट मोहनलालगंज पंकज कुमार श्रीवास्तव को समाज गौरव सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर पंकज श्रीवास्तव ने महासंघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह अस्वत किया कि वे सदैव कर्मचारी हेतु के प्रति समर्पित रहेंगे।

नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ के मामले मे पीड़ित ने आईजीआरएस के माध्यम से केस दर्ज कराए जाने की लगाई गुहार

बिसवां सीतापुर- नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। कोतवाली पुलिस द्वारा केस दर्ज न करने पर पीड़ित ने आईआरजीएस के माध्यम से केस दर्ज कराए जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली बिसवां इलाके के एक गांव की 15 वर्षीया लड़की अपने घर पर गांव में ही डाक्टर के पास दवा लेने गए माता पिता का इंतजार कर रही थी कि इसी बीच गांव के आरोपियों ने मुहं दबा कर और पीठ में चाकू लगाकर कहा कि चुपचाप मेरे साथ खेत में चलो नही तो तुम्हारे भाई को मार देंगें। और तुम्हारा भी काम खत्म कर देंगें। अश्लील हरकतें करते हुए और प्राइवेट पार्ट में हाथ लगाते हुए खींच कर ले जाने लगे। इस दौरान गांव का ही एक लड़का उधर से गुजरा और इन लोगों की हरकतें देख कर उनको ललकारा। आरोपी खतरा जान कर किसी अन्य दिन घटना की धमकी देते हुए भाग गए। घटना 04 जून की रात 09 बजे की है। लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नही किया। जबकि पीड़िता के पिता ने रात में ही डायल112 पर फोन किया। गाड़ी मौके पर पहुंची और कहा की सुबह एफआईआर दर्ज करवा देना लेकिन कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज करना मुनासिब नहीं समझा पीड़िता के पिता ने आईजीआरएस के माध्यम से एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है।

मुहर्रम को लेकर प्रभारी निरीक्षक सुरियावा द्वारा ताजियादार एवं डीजे संचालकों सॉन्ग बैठक कर दिए दिशा निर्देश

सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

सुरियावां। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य प्रभारी निरीक्षक सुरियावा अश्वनी त्रिपाठी द्वाराथाना सुरियावां परिसर में ताजिया दार डीजे संचालको संघकी बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी निरीक्षकने उपस्थित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने सभी से आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने की अपील की। साथ ही स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का धार्मिक जुलूस नहीं निकाला जाएगा तथा सड़क अवरुद्ध कर कोई आयोजन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएं। असामाजिक एवं अराजक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। आपत्तिजनक, भ्रामक या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान ताजियादारों से कहा मानक के अनुसार ही ताजिया का निर्माण करें तथा समय का ध्यान रखते हुए निर्धारित समय पर ही कार्यक्रम को समाप्त करें। इस मौके पर डीजे संचालक को बताया कि शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार ही डीजे का उपयोग करें इस मौके पर नगर एवं ग्रामीण के ताजियादार एवं डीजे संचालक मौजूद रहे।

नाबालिग बालिका से बलात्कार का जघन्य अपराध, आरोपी अमरदीप उर्फ अमरजीत को 20 वर्ष का कठोर कारावास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में पड़ोस की नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और जान से मारने की धमकी देने के जघन्य मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश कुमार प्रशांत की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। 18 जून 2026 को विशेष न्यायाधीश कुमार प्रशांत की अदालत ने इस मामले का फैसला सुनाते हुए अमरदीप उर्फ अमरजीत (24 वर्ष), पुत्र नंद कुमार, निवासी ग्राम जरौली, पोस्ट जरौली, थाना असंधा, जनपद बाराबंकी को धारा 376, 506 आईपीसी तथा POCSO अधिनियम की धारा 5/6 के तहत दोषी पाया। अदालत ने आरोपी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसका भुगतान न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। सभी सजाएं समवर्ती (एक साथ) चलेंगी और जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा।

घटना का विवरण

19 अगस्त 2022 की शाम करीब 7:32 बजे गोमतीनगर क्षेत्र में यह जघन्य वारदात हुई। पीड़िता के अनुसार, आरोपी अमरदीप उर्फ अमरजीत उसके पड़ोस में रहता था। उसने पीड़िता को अकेला पाकर बलात्कार किया और धमकी दी कि 'अगर किसी को बताया तो तुम्हारे भाई को मार डालूंगा'। डरी-सहमी पीड़िता ने परिवार को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसी दिन गोमतीनगर पुलिस थाने में मुकदमा नंबर 529/2022 दर्ज कराया गया।

मजबूत साक्ष्यों पर टिका अभियोजन पक्ष

इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक उपाध्याय और विशेष लोक अभियोजक अरुण कुमार ने अत्यंत प्रभावी पैरवी की। अदालत में कुल 13 अभियोजन प्रदर्श पेश किए गए, जिनमें पीड़िता का 164 Cr.P.C. बयान, चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, प्रवेश फॉर्म, आरोप पत्र और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल थे। गवाहों में पीड़िता के पिता कल्लू, डॉ. संध्या चौधरी (मेडिकल परीक्षण करने वाली डॉक्टर), कांस्टेबल मोहम्मद आसिफ, निरीक्षक बृजेश कुमार यादव समेत अन्य शामिल रहे। अदालत ने पीड़िता के बयान को विश्वसनीय मानते हुए कहा कि नाबालिग होने की पुष्टि जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड से हुई है।

अदालत का फैसला

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमार प्रशांत ने अपने विस्तृत फैसले में कहा कि आरोपी ने नाबालिग बच्ची के साथ अत्यंत जघन्य अपराध किया है, जिससे समाज में बालिकाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों की श्रृंखला को पर्याप्त और अटूट माना गया। आरोपी ने आरोपों से इनकार किया था, लेकिन साक्ष्यों के सामने उसकी दलीलें नहीं टिक सकीं। अदालत ने पीड़िता को उचित मुआवजा दिलाने और जुर्माना राशि पीड़िता को देने के भी निर्देश दिए। साथ ही, फैसले की प्रति पीड़िता को निःशुल्क उपलब्ध कराने और जेल रिकॉर्ड में सजा दर्ज करने का आदेश दिया।

अभियोजकों की प्रतिक्रिया

SPP अभिषेक उपाध्याय ने कहा, 'इस मामले में साक्ष्यों की मजबूत कड़ी थी। पीड़िता का साहस, चिकित्सकीय और फॉरेंसिक साक्ष्य तथा गवाहों के बयानों ने हमें मजबूती दी। POCSO कानून के तहत नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला यह एक महत्वपूर्ण फैसला है।'

SPP अरुण कुमार ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने पूरे मामले को बिना किसी कमी के अदालत के समक्ष रखा, जिससे पीड़िता को न्याय मिल सका।

उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता परिषद की मांग, बिजली एक्सचेंजों पर कालाबाजारी रोकने को बने सख्त कानून

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

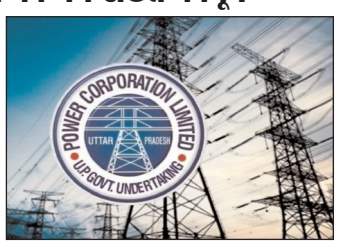

लखनऊ। उपभोक्ता परिषद ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर को जनहित प्रस्ताव भेजकर पावर व एनर्जी एक्सचेंज से बिजली की हो रही कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग की है। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा खरीदी और बेची गई बिजली के आंकड़ों को चिंताजनक बताया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक कारपोरेशन ने 1619.56 मिलियन यूनिट बिजली औसतन 6.52 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदी, जबकि 6060.29 मिलियन यूनिट बिजली कारपोरेशन ने औसतन 3.77 रुपये प्रति यूनिट की दर से पावर एक्सचेंज को बेची है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने केंद्रीय मंत्री को भेजे गए जनहित प्रस्ताव में अवगत कराया है कि पावर एक्सचेंज उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डालने का माध्यम बन गया है। केंद्र सरकार से मांग की है कि पावर एक्सचेंज में होने वाले लेन-देन की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। एक ही दिन बिजली बेचने और खरीदने के मामलों में जवाबदेही तय की जाए। बिजली बाजार में सट्टेबाजी, कृत्रिम अभाव और मूल्य में हेराफेरी को रोकने के लिए कठोर कानून बनाया जाए। सवाल उठाया है कि बिजली दिन में सस्ती और रात में महंगी क्यों है, इस पर रोक लगाई जाए। बिजली को बाजार की वस्तु बनाकर उपभोक्ताओं की जेब पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। पीक आवर्स (जब बिजली की सबसे अधिक मांग होती है) के नाम पर बिजली के दाम कई गुना बढ़ जाना इसका संकेत है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं। पावर कारपोरेशन ने कई बार एक दिन बिजली बेची भी और खरीदी भी है। जनता के हिस्से की बिजली दिन में सस्ते दामों पर एक्सचेंज में बेच दी गई और आवश्यकता पड़ने पर रात में महंगे दामों पर खरीद ली गई। सवाल यह भी है कि इस पूरे खेल का लाभ किसे मिल रहा है। एनर्जी एक्सचेंज पर बिजली बेचने और खरीदने का कानून तो है लेकिन कालाबाजारी पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया गया?बिजली मानव जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों का आधार है। आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने के लिए कानून है तो बिजली के क्षेत्र में भी ऐसी व्यवस्था की जाए।

'महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी अयोध्या', अखिलेश यादव ने चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा,'अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी। यहीं भाजपाई राजनीति का आरंभ हुआ था, यहीं अंत भी होगा।' सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि चढ़ावे-चंदे-दान-शिला चोरी की घटना के बाद से दर्शनार्थियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ा है। पावन सनातनी तीर्थ की शुचिता, जिन भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की वजह से कलुषित हुई है, वो अपना कारनामा करके सदैव की तरह भूमिगत हो गए हैं। स्थानीय लोग मंदिर जाने से भी घबरा रहे हैं कि कहीं उनको ही जांच के नाम पर फंसा न दिया जाए। जांच कहां तक पहुंची, इसकी डेली ब्रीफिंग होनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में हो रहे 'महा-भ्रष्टाचार' के कारण जनता का एसआईटी तक पर विश्वास नहीं है। मथुरा से भी आई धांधली की खबर गंभीर है, उसकी भी उच्च स्तरीय जांच हो। एक अन्य पोस्ट में सपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री के बयान, 'गाय का दूध पियेंगे और सड़कों पर छोड़ देंगे', को लेकर लिखा, '14 दिन में छुट्टा पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने का वादा करने वालों को जब यह बयान सुनाया जाएगा तो कहीं चुनाव से पहले ही इनका सफाया न हो जाए। ये अपनी बात का नहीं तो अपनों से बड़ों की बात का तो सम्मान करें, याद रहे दिल्ली की पर्ची सिर्फ किसी के बनाने के लिए नहीं आती है, वहां की पर्ची पर तो पूरी कैबिनेट बदल जाती है।' वहीं गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने सपा प्रमुख से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। वहीं मेरठ के अनुष्का पाल हत्याकांड मामले में पीड़ित स्वजन भी सपा प्रमुख से मिले। सपा प्रमुख ने पीड़ित परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद और सीबीआई जांच की मांग की।

सुरियावां थाने के शिव मंदिर में पुलिस की पहल पर संपन्न हुई शादी

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र में एक अनोखी और भावनात्मक शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस की पहल और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से एक महिला को नया जीवनसाथी मिला और परिवार भी बिखरने से बच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मऊ रामशाला निवासी अनिल कुमार सरोज की शादी वर्ष 2021 में रीना देवी निवासी हंडिया, प्रयागराज के साथ हुई थी। विवाह के दो वर्ष बाद वर्ष 2023 में बीमारी के चलते अनिल कुमार का निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद रीना देवी के सामने जीवनयापन और भविष्य की चिंता खड़ी हो गई। इसी दौरान अनिल कुमार के छोटे भाई सुनील कुमार सरोज ने रीना देवी को अपनाने का निर्णय लिया। दोनों परिवारों की सहमति होने के बावजूद विवाह की औपचारिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। इससे परेशान होकर रीना देवी ने पुलिस अधीक्षक भदोही को प्रार्थना पत्र देकर विवाह कराने की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरियावां पुलिस ने त्वरित पहल की। दोनों पक्षों की सहमति और परिवारजनों की मौजूदगी में गुरुवार को सुरियावां थाने के प्रांगण स्थित शिव मंदिर में रीना देवी और सुनील कुमार का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया।

'ओपी राजभर को कोई सीरियस नहीं लेता है', शिवपाल यादव का पलटवार

● सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के सपा में टूट के बयान पर पर सपा नेता शिवपाल यादव का पलटवार सामने आया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के सपा में टूट के बयान पर पर सपा नेता शिवपाल यादव का पलटवार सामने आया है. शिवपाल ने भाजपा के लोगों पर झूठ बोलने और षड्यंत्र करने का आरोप लगाया है. साथ ही दावा किया है कि समाजवादी पार्टी का कोई भी सांसद टूटेगा नहीं। शिवपाल ने कहा, ''ये लोग अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए और चुनाव के समय सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए ये बोलते हैं. मुझे तो लगता है इन्हें ट्वीट करने का भी पैसा मिलता है इसलिए इस तरह की बातें करते हैं, झूठ बोलते हैं.'' कहा, अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनेगी...ओम प्रकाश राजभर को पूरे उत्तर प्रदेश में कोई सीरियस नहीं लेता है। ' समाजवादी पार्टी के बलिया से सांसद सनातन पांडेय ने योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुसभपा) के मुखिया ओमप्रकाश राजभर के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि अगर वो सपा से बागी हो गए तो राजनीति से ही संन्यास ले लेंगे।

क्या कहा था ओपी राजभर ने?

बता दें कि योगी सरकार के मंत्री ओपी राजभर ने सपा में टूट को लेकर बड़ा दावा किया है. बुधवार को राजभर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया समाजवादी पार्टी में जल्द ही बड़ी टूट होगी. गुरुवार की सुबह भी उन्होंने एक पोस्ट किया जिसमें लिखा, ''कल से सब पूछ रहे हो कि सपा में क्या टूट होने वाली है? तो सुनो! सपा के बागी सांसदों के गुट का नेतृत्व उत्तर प्रदेश की 'बागी भूमि' का एक लाल करेगा और करे भी क्यों न? ''

सपा पर लगाए गंभीर आरोप

राजभर ने आगे लिखा, ''कल जिस तरह से सपा कार्यालय में सम्मेलन के नाम पर ब्राह्मणों को तिरस्कृत किया गया, उससे 'बागी बलिया' का लाल बहुत आहत है. योजना पहले से थी लेकिन कल कि घटना ने आग में घी डालने का काम कर दिया है. टूट होकर रहेगी. मेरी एक प्रतिक्रिया पर जिस तरह से पूरा सैफई खानदान मुझे गाली देने और सफाई देने में जुट गया, उससे ज्यादा बेहतर है कि अखिलेश बाबू ट्विटर, ऐसी और पीसी वाली नेतागिरी छोड़कर अब सांसद बचाओ अभियान शुरू कर दें. और दुखी एवं निराश सांसदों के घर जाकर उनसे माफी मांगे।''

फूट और टूट के नैरेटिव से समाजवादी पार्टी को घेरने में जुटा एनडीए

● बात राजनीतिक गलियारों में और तेजी से दौड़ी जब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी ऐसा ही बयान दे दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक कुरुक्षेत्र में नए-नए नैरेटिव के तीर चलने लगे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने समाजवादी पार्टी में टूट पड़ने का दावा कर राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एवं उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य के बयान के बाद अब निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी सपा में बगावत का दावा कर नया दांव चला। महत्वपूर्ण ये है कि सपा को बेचैन करने वाले बयान पूर्वांचल के तीन बड़े ओबीसी नेताओं की तरफ से आए हैं, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में सपा मजबूत साबित हुई थी। पिछले दिनों देशभर में कई राजनीतिक दलों में बगावत देखी गई। आम आदमी पार्टी में फूट पड़ी तो बंगाल में लंबे समय तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस कई गुटों में बंटकर बिखर गई। महाराष्ट्र में शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट के कई सांसद शिंदे गुट से हाथ मिलाने की तरफ बढ़ रहे हैं, जिससे वहां की राजनीति में बड़ी हलचल मची है। इसी बीच चर्चाओं का एक चक्रवात यूपी में भी उठने लगा जब योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा के दर्जनभर से ज्यादा सांसदों के अलग होने का दावा कर दिया। यह बात राजनीतिक गलियारों में और तेजी से दौड़ी जब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी ऐसा ही बयान दे दिया।

मंत्री संजय निषाद ने भी कहा कि कई सपाई सांसद एनडीए के संपर्क में हैं। इस प्रकार के बयान ऐसे समय में आए हैं जब राम मंदिर से दान का धन चुराए जाने को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि एनडीए अपने सबसे मजबूत विरोधी दल सपा की घेरेबंदी में जुटा है। इस बहाने सपा के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने का भी दांव चला गया है। अखिलेश अपना पीडीए का कार्ड फिर चलेंगे, जिसकी काट के रूप में भाजपा सुभासपा, निषाद पार्टी, रालोद एवं अपना दल-एस से हाथ मिलाकर रखेगी। पीडीए का दांव निस्तेज करने के लिए भाजपा ने ओबीसी नेताओं को विशेष वरीयता दी है, वहीं संगठन में भी भागीदारी बढ़ाई जाएगी। पार्टी के बड़े ओबीसी चेहरा केशव प्रसाद मौर्य सधी हुई रणनीति के तहत अखिलेश यादव पर लगातार हमलावर रहते हैं। गठबंधन के साथी ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद भी मुख्य रूप से सपा को निशाने पर रखते हुए नए नैरेटिव के साथ जमीन मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

यूपी के सरकारी स्कूलों में पढ़ाए जाएंगे AI और रोबोटिक्स

● IIT कानपुर 900 शिक्षकों को देगा ट्रेनिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्कूली शिक्षा में एआई और रोबोटिक्स जैसे तकनीकों को जोड़ने की कोशिश तेज हो गई है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 900 शिक्षकों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के माध्यम से डिजिटल लिटरेसी, कंप्यूटेशनल थिंकिंग, कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का विशेष प्रशिक्षण देने की तैयारी की है। एससीईआरटी के अनुसार मॉड्यूल तैयार कर उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विज्ञान विषय के लगभग 45 हजार शिक्षकों का क्षमता संवर्धन किया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में आईआईटी कानपुर द्वारा 756 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब वर्ष 2026-27 में 900 शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग, रोबोटिक्स जैसे विषयों की व्यावहारिक समझ भी दी जाएगी, ताकि वे विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम से माध्यमिक शिक्षा विभाग के 750 शिक्षक, डायट के 140 प्रवक्ता और एससीईआरटी की विभिन्न इकाइयों के 10 प्रवक्ता शामिल होंगे।

विकसित भारत रोजगार योजना पर भदोही में श्रम विभाग द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर आज दिनांक 19.06.2026 को सायं 5 PM पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कारपेट टेक्नोलॉजी IICT चौरी रोड भदोही में श्रम विभाग द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव स्ट्रीमिंग प्रदर्शित किया गया जिसमें उनके विचारों को सुना गया उक्त कार्यक्रम में श्री अवनीश कुमार त्रिपाठी श्रम प्रवर्तन अधिकारी भदोही अध्यक्ष ईट निर्माता संघ भदोही श्री मिठाई लाल दुबे ,इंद्रजीत तिवारी शिशिर शर्मा डॉक्टर अतुल पांडे दर्पण सिंह विजेंद्र कुमार मिश्रा आकाश मालवीय रजत कुमार रवि उपाध्याय, दीपक मौर्य दीपक सोनकर यशस्वी दुबे कालीन व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारी गण, एवं अन्य सम्मानित व्यवसाईगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की बैंकिंग एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) के दौरान संचालित बैंकिंग गतिविधियों एवं सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं की उपलब्धियों, लक्ष्यपूर्ति तथा लाभार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के लाभार्थियों का चयन पारदर्शी ढंग से करते हुए अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाए तथा स्वीकृत आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। आमजन को समयबद्ध एवं सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना सभी बैंकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बैंक शाखाओं में प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और शिकायतों की संख्या में कमी लाई जा सके। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधकों को समन्वित प्रयास करने पर जोर देते हुए कहा कि स्वरोजगार, उद्यमिता एवं वित्तीय समावेशन से जुड़ी योजनाएं जिले के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार गुप्ता ने किया। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के दयाशंकर सरोज, परियोजना अधिकारी नेडा तुषार राय, जिला मिशन प्रबंधक अजय कुमार सहित जनपद के सभी जिला समन्वयक एवं चिन्हित बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

खैराबाद के सभी अज़ाखानों, इमामबारगाहों के साथ ही दरगाह हाफ़िज़ असलम मियां में दस दिवसीय मजलिस का शुभारम्भ

● इमाम आली मक़ाम हज़रत इमाम हुसैन से सच्ची मोहब्बत करना ईमान की मजबूती है:- फ़ुरक़ान मियां हाशमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर- क़स्बा खैराबाद में स्थित सभी अज़ाखानों इमामबारगाहों तथा स्थानीय दरगाह हाफ़िज़िया अस्लमियाँ में इस्लामी नव वर्ष के पहले माह मोहर्रम का चांद देखने के बाद विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 10 दिवसीय मजलिसे मोहर्रम का शुभारम्भ 17 जून से हो गया जो 26 जून तक निरन्तर चलता रहेगा,इसी क्रम में इस्लामी नव वर्ष के पहले और दूसरे दिन अर्थात एक और दो मोहर्रम 1448 हिजरी को मजलिस से सम्बोधित करते हुए खानकाह के सज्जादानशींन अल्हाज सैय्यद फ़ुरक़ान मियां हाशमी ने कहा कि हम ईमान वाले हैं अल्लाह और उसके रसूल को सच्चे दिल से मानते हैं इसी पर हमारा ईमान भी है लेकिन अहले बैत से मोहब्बत करने में हम एक जगह पर नहीं ठहरते हैं इसकी वजह क्या है। इस मौक़े पर एक तारीखी बात बयान करते हुए फरमाया कि इस्लाम का पहला महीना क़ुर्बानी से शुरू होता है और आख़िरी महीना भी क़ुर्बानी का ही होता है जिसका पहला महीना मोहर्रम कहलाता है इस माह की दस तारीख को सरकारे मदीना हुज़ूर अकरम के प्यारे नवासे मिस्ल औलाद हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और आपके घर वालों को शहीद कर दिया गया था और आख़िरी महीना ज़िलहिज का है इसकी भी 10 तारीख़ को ही हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के बेटे हज़रत इस्माइल अलैहिस्सलाम की क़ुर्बानी मांगी गई तो जिस माह की शुरुआत आपके नवासे की क़ुर्बानी से होती है तो उस माह की मुबारकबादी किस लिए दी जाती है और कहां से साबित है कि मुबारकबाद दी जाए यह तो ग़ैर इस्लामी काम है क्या हम भी उन्हीं की तरह काम करने लगे हैं। आपने यह भी बयान किया कि सने हिजरी और मोहर्रम माह ही हिजरी का पहला महीना होगा यह खलीफा ए द्वितीय हज़रत सैयदना उमर फारुक रज़ी अल्लाहु ताला अनहू के दौर में तय हुआ था और हिजरी का चयन हिजरत से लिया गया इसके बाद मोहर्रम माह को उसका पहला महीना तय किया गया। जबकि मोहर्रम का महीना पहले से था लेकिन साल का पहला महीना नहीं था यह हिजरी तय हुई तब पहला महीना तय हुआ। हाशमी ने आगे कहा कि इमाम हुसैन से मोहब्बत करने से उनके पैग़ाम पर पाबंदी से अमल करने से ज़िंदगी को सुकून मिलेगा और ईमान की मजबूती भी होगी और इससे इंसानियत ज़िन्दा रहती है। कार्यक्रम के अंत मे मुल्क व मिल्लत के अमन व खुशहाली की दुआ भी की गई।इस अवसर पर बड़ी तादाद में लोग जमा थे जिसमें मुख्य रूप से सैय्यद फरजान मियां, सैय्यद नवेद असलम हाशमी सलमी मियां,सैय्यद फरहान मियां, सैय्यद फ़रमान मियां चिश्ती,क़ारी इस्लाम अहमद आरफ़ी, हाफ़िज़ आरिफ,हाफ़िज़ नईम,इमरान सिद्दीकीआदि मौजूद थे। ये कार्यक्रम 10 मोहर्रम तक निरंतर चलता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब ट्रेड कमीशन द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर

राजपुरा- आज महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई जब मार्केट की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई। जानकारी देते हुए पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली ने बताया कि ट्रेड कमीशन के चेयरमैन टिंकू बंसल की लीडरशिप में महेंद्रगंज मार्केट में व्यापारियों की एक मीटिंग हुई, जिसमें दुकानदारों ने बताया कि लगभग एक दशक से बस स्टैंड पर बसें न आने के कारण दुकानदारों को अपनी दुकानें कम रेट पर बेचनी पड़ रही थीं और दुकानें बेचने के बाद उन्हें दूसरी दुकान में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि पंजाब ट्रेड कमीशन की मीटिंग में अपनी मांग को मजबूती से रखने और लगातार कोशिशों के बाद आज पटियाला से दिल्ली, चंडीगढ़, मोहाली, अंबाला के लिए बसें शुरू हो गई हैं। इस खुशी में दुकानदारों ने पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन पटियाला गुरप्रीत सिंह धमोली और राजपुरा हलके के चेयरमैन टिंकू बंसल का लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। ये बसें राजपुरा टाउन और पुराने बस स्टैंड रेलवे स्टेशन से होकर चलेंगी, जिससे महिंदरगंज बाजार में रौनक बढ़ेगी और शहरवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर पंजाब व्यापार आयोग राजपुरा के सदस्य मुकेश गुप्ता, कीरत सिंह सेहरा, डॉ. अशोक, मनीष सूद, सुखविंदर सिंह सुखी, चीफ इंस्पेक्टर पीआरटीसी, इंस्पेक्टर गुरतेज सिंह, इंस्पेक्टर जसपाल सिंह, बलजिंदर सिंह अड्डा इंचार्ज राजपुरा, लक्की प्रधान, विकास वर्मा, सचिन बंसल, जसविंदर सिंह, राजिंदर कुमार, जसवंत सिंह प्रधान टैक्सी स्टैंड, मोहन बेकरी, चौहान टेलर, गुरिंदर सिंह मौजूद थे। पंजाब व्यापार आयोग द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महिंदरगंज बाजार के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई।

नए भारत के शिल्पकार हैं नरेंद्र मोदी — सोमप्रकाश

होशियारपुर- भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष निपुण शर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतापूर्वक 12 साल प्रशासनिक कार्यकाल के संबध में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।जिसमें प्रदेश की ओर से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश कैथ ने मीडिया से मुखातिब हुए। इस मौके मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के सफल एवं ऐतिहासिक कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि देश की जनता ने लगातार तीन बार उन्हें प्रधानमंत्री बनाकर उनके नेतृत्व, कार्यशैली और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अनेक ऐसे ऐतिहासिक निर्णय और उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया है। सोमप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रथम कार्यकाल में जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। दूसरे कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए की समाप्ति, नागरिकता संशोधन अधिनियम, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ देश को विश्व की अग्रणी शक्तियों में स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत आज जी-20 की सफल अध्यक्षता, मजबूत अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्रांति, रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

चीन की धमकी और यूक्रेन का उदाहरण ताइवान में हर कोई सीख रहा ड्रोन उड़ाना

● ताइवान में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में ड्रोन उड़ाने का जुनून सवार है. चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए नागरिकों ने इस हुनर को सीखने का फैसला किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन के बढ़ते सैन्य खतरे के बीच ताइवान के आम नागरिक अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे हैं बल्कि खुद को एक संभावित जंग के लिए तैयार कर रहे हैं. यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को दिखा दिया है कि आधुनिक लड़ाई में छोटे-छोटे ड्रोन कितने घातक और मददगार साबित हो सकते हैं. इसी सबक को अपनाते हुए ताइवान में अब हर उम्र के लोग चाहे वो युवा हों या बुजुर्ग ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं. राजधानी ताइपे के तंग कमरों से लेकर ग्राउंड तक नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह पहली बार है जब आम लोगों को ड्रोन पायलट बनाने का एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है। द गार्जियन के मुताबिक, ताइपे के एक छोटे और खचाखच भरे कमरे में 48 साल का शख्स ड्रोन को हवा में स्थिर रखने की कोशिश कर रहा है. उसके हाथ में रिमोट कंट्रोलर है और उसकी उंगलियां जॉयस्टिक पर जमी हैं. जैसे ही बिना किसी दुर्घटना के ट्रैफिक कोन से घिरे एक आयताकार रास्ते से ड्रोन को सुरक्षित निकाल लेते हैं, पूरा कमरा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता है. वह शख्स कहता है, 'यूक्रेन के युद्ध ने ड्रोन के इस्तेमाल को पूरी तरह बदल दिया है. मैं इसे एक अतिरिक्त हुनर की तरह सीख रहा हूं, ताकि कल को अगर जरूरत पड़े तो मैं देश के काम आ सकूं। '

कुमा एकेडमी में अगस्त तक सारे स्लॉट बुक

यह पूरा नजारा ताइवान के पहले 'नागरिक सुरक्षा ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम' का है. इसे 'कुमा एकेडमी' नाम के एक एनजीओ की ओर से शुरू किया गया है. मई में लॉन्च हुए इस कोर्स को लेकर ताइवानी नागरिकों में इस कदर दीवानगी है कि अगस्त तक के सभी सेशन एडवांस में ही फुल हो चुके हैं. इस कोर्स के जरिए हर महीने करीब 75 लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुमा एकेडमी के प्रवक्ता तांग त्सुंग-यी का कहना है कि इस कोर्स का मकसद आम लोगों को यह समझाना है कि युद्ध के मैदान में ड्रोन क्या भूमिका निभा सकते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में समाज का हर वर्ग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है।

बिना जीपीएस वाले 'प्योर ताइवानी' ड्रोन

इस ट्रेनिंग की एक और बड़ी खासियत यह है कि क्लास में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन का वजन 100 ग्राम से भी कम है और ये पूरी तरह से ताइवान में बने हैं. इन ड्रोन्स में न तो कोई जीपीएस सिस्टम है और न ही कोई ऑटो-पायलट या सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक. इसके पीछे एक बहुत ही सोची-समझी सैन्य रणनीति है. आधुनिक युद्ध में दुश्मन सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक का इस्तेमाल करके कॉमर्शियल ड्रोन के सिग्नल ब्लॉक कर देता है. ऐसे में ऑपरेटरों को ड्रोन को पूरी तरह से अपनी आंखों और मैनुअल रिफ्लेक्सिस से उड़ाना आना चाहिए। यह फैसला ताइवान के उस बड़े अभियान का भी हिस्सा है, जिसके तहत वह ड्रोन की ग्लोबल सप्लाई चेन को पूरी तरह 'चीन-मुक्त' बनाना चाहता है. हालांकि, ताइवान की घरेलू राजनीति में इसे लेकर खींचतान जारी है.

अमेरिका ने छोड़ा साथ?

ताइवान की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAA) के अनुसार, दिसंबर तक देश में रजिस्टर्ड ड्रोन्स की संख्या 39,000 को पार कर चुकी थी. सरकार ने 2024 में ड्रोन रजिस्ट्रेशन की न्यूनतम उम्र घटाकर 14 वर्ष कर दी थी. अब ताइपे के कई हाई स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों में कैंप लगाए जा रहे हैं. यहां छात्रों को स्क्रैच से ड्रोन बनाना और उसका इस्तेमाल खोज और बचाव अभियानों में करना सिखाया जा रहा है. अगर चीन कभी ताइवान पर हमला करता है, तो ताइवान के पहाड़ी इलाकों और अग्रिम मोर्चों की निगरानी के लिए ये मानवरहित ड्रोन सबसे बड़े हथियार साबित होंगे। यह पूरी तैयारी ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ताइवान के रिश्तों को लेकर अनिश्चितता का माहौल है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच पिछले महीने बीजिंग में हुई मुलाकात के बाद, ट्रंप ने अभी तक ताइवान के लिए 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं. इसके अलावा, ताइवान के आंतरिक राजनीतिक मतभेदों ने भी आम लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें बाहरी मदद के भरोसे रहने के बजाय खुद को तैयार करना होगा।

नीरज चोपड़ा एक्शन में नजर आएंगे

● ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में भाला फेंकते हुए नजर आएंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। भारत के ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। नीरज शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर ने पीठ में चोट के कारण पिछले साल सितंबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप्स के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। कई महीनो के रिहैब और ट्रेनिंग के बाद नीरज चोपड़ा कतर में वर्ल्ड क्लास खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने को तैयार हैं। 28 साल के नीरज चोपड़ा की दोहा डायमंड लीग में राह आसान नहीं होगी। गत चैंपियन केशहोर्न वोलकोट, दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे से नीरज दो-दो हाथ करेंगे।

कड़े प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला

याद दिला दें कि श्रीलंकाई जेवलिन थ्रोअर ने 92.62 मीटर की दूरी पर थ्रो करके सुर्खियां बटोरी और इस सीजन वर्ल्ड लीडर बने। वैसे, नीरज चोपड़ा के लिए दोहा विशेष स्थान है। पिछले साल मई में यहां नीरज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते 90 मीटर दूरी तय की। उन्होंने 90.23 मीटर की दूरी का थ्रो किया था। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि वो जल्द ही अपनी लय हासिल करे और सीजन की दमदार शुरुआत करें। नीरज चोपड़ा को लाइव एक्शन में देखने के लिए आप यहां डिटेल्स हासिल कर सकते हैं।

दिल्ली में BJP का तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू

दिल्ली। नरेन्द्र मोदी सरकार और रेखा गुप्ता सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए भाजपा ने बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से लेकर सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि नागरिकों के बीच पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही 42 स्थानों पर तीन दिनों तक चलने वाला जनकल्याणकारी शिविरों की भी शुरुआत हुई। इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देने के साथ ही इसे प्राप्त करने में आने वाली बाधा को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

काला हिरण फिल्म पर सलमान खान का गुस्सा जायज? गवर्नर के डायरेक्टर ने बताया क्या है फिल्म मेकर की जिम्मेदारी

● काला हिरण फिल्म को लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं दिख रहा है. पहले तो फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन अभी दूर दूर तक इसके सिनेमाघरों में आने के आसार नहीं दिख रहे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: काला हिरण फिल्म को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है. पहले फिल्म मेकर्स का कहना था कि फिल्म का सलमान से कोई लेना देना नहीं है. यह केवल एक सच्ची घटना पर आधारित है. अगर सलमान खुद को इसमें देखते हैं तो यह उनकी सोच है. इसके बाद फिल्म छोड़ चुके सोनू मिश्रा ने चौंकाने वाले दावे किए. उन्होंने बताया कि दो दिन की शूटिंग करने के बाद जब उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट पढ़ा कि उन्हें मीडिया में सलमान खान के खिलाफ बोलना होगा तो उन्होंने फिल्म छोड़ दी. सोनू का कहना था कि उन्होंने ये फिल्म सलमान के डर की वजह से नहीं बल्कि अपने उसूलों की वजह से छोड़ी थी. इससे साफ होता है कि फिल्म का कनेक्शन सलमान खान से तो था. बस पहले सीधे कहा नहीं जा रहा था और बाद में लोग सामने आने लगे।

बिना इजाजत फिल्म बनाना कितना सही?

सलमान खान ने फिल्म के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनका कहना था कि इस फिल्म के जरिए उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन किया गया है. इस मामले में 19 जून यानी कल सुनवाई होने वाली है. इससे पहले हमने इस बात को लेकर मनोज बाजपयी की फिल्म गवर्नर के डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर से बात की. ऐसा इसलिए क्योंकि पॉपुलर एक्टर ने अभी तक दो फिल्में डायरेक्ट की हैं और ये दोनों ही फिल्में इंस्पेक्टर जेंडे और गवर्नर दोनों ही रियल लाइफ से इंस्पायर्ड कैरेक्टर से हैं।

17 साल बाद शिकंजे में आया दुष्कर्म आरोपित, दिल्ली से कुवैत भागकर बन गया था टेलर

नई दिल्ली। बिंदापुर में शादी का झांसा देकर किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में 17 साल से फरार चल रहे इरशाद अहमद उर्फ सोनू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इरशाद अहमद, वारदात के बाद कुवैत भाग गया था। वह बिजनौर का रहने वाला है और 2009 से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक बिंदापुर थाने में नौ अप्रैल 2009 को अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता की मां बुटीक चलाती थीं, जहां आरोपित इरशाद अहमद, दर्जी (टेलर) का काम करता था। इरशाद ने शादी का झांसा देकर पीड़िता की नाबालिग बेटी का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद से ही वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था, जिसके बाद 25 मई 2011 को द्वारका कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

सूर्यवंशी के बाद बिहार को मिली नई 'रन मशीन', अक्षरा ने ट्रिपल सेंचुरी से मचाया तहलका

● बिहार क्रिकेट का नया बवंडर!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब बिहार क्रिकेट में एक नया 'क्रिकेट बवंडर' सामने आया है. लेकिन यह महिला क्रिकेट में हैं. इस बवंडर का नाम है अक्षरा गुप्ता, जिन्होंने वनडे में तिहरा शतक जमाकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है. अक्षरा ने भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड ग्राउंड में गुरुवार से शुरू हुए BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी टूर्नामेंट में नाबाद 306 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें उन्होंने 55 चौके और 8 छक्के लगाए। ऐसा कर 15 साल की अक्षरा गुप्ता ने महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर बनानी वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। बता दें कि . महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर मुंबई की इरा गुप्ता के नाम है,जिन्होंने घरेलू राज्य-स्तरीय मैच में नाबाद 346 रन बनाए थे. उनकी पारी में 42 चौके और 16 छक्के शामिल थे. अक्षरा गुप्ता के नाबाद 306 और इरा गुप्ता के नाबाद 346 रन अब महिला घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में शामिल हो गए हैं। बिहार की अक्षरा गुप्ता ने टीम की ओर से खेलते हुए, सिर्फ़ 126 गेंदों पर नाबाद 306 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 242.86 रहा और वे 233 मिनट तक क्रीज़ पर डटी रहीं. उनकी इस पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल थे. उन्होंने शुरुआत से ही जबरदस्त बल्लेबाजी की और महज 16 गेंदों में ही उन्होंने अर्धशतक पूरा कर लिया और 34 गेंदों में शतक जड़ दिया, जो उनके शानदार स्ट्रोक-प्ले और टाइमिंग को दर्शाता है. इस ऐतिहासिक मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बीसीए महिला अंडर-19 टीम ए ने 40 ओवर में 5 विकेट पर 450 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. पूरे मैच में अक्षरा छाई रहीं। अक्षरा गुप्ता की पारी को देखकर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हर्षवर्धन ने 15 साल की महिला बैटर को बधाई दी और कहा कि बिहार की महिला क्रिकेटर लगातार राज्य का नाम रोशन कर रही हैं. उन्होंने कहा कि 'BCA खिलाड़ियों के लिए मौके और मंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस तरह का प्रदर्शन युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ी प्रेरणा का काम करता है। ' सेक्रेटरी ज़ियाउल अफ़िन ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं. उन्होंने BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी की शुरुआत में ही ऐसी प्रतिभा के सामने आने को बिहार में क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत बताया और अक्षरा के उज्ज्वल करियर की कामना की।

कौन है अक्षरा गुप्ता

बिहार की रक्सौल की रहने वाली अक्षरा गुप्ता ने 14 साल से ही घरेलू मुकाबलों में अपना जौहर दिखाती नजर आ रही हैं. जिसके दम पर उन्हें बिहार की सीनियर महिला टीम में जगह मिली. बता दें कि बीसीसीआई की आयु-श्रेणी टूर्नामेंटों के चारों प्रमुख फॉर्मेट में एक ही सीजन (2024-25) में खेलने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं।

गांधी नगर में अवैध संबंध के शक में की थी पत्नी की हत्या, मुंबई से आरोपी पति गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। गांधी नगर इलाके में गला रेतकर पत्नी की हत्या करने वाले पति को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। अवैध संबंध के शक में आरोपित ने पत्नी की बड़ी ही बेरहमी से हत्या की थी। आरोपित की पहचान खालिद के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपित नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जनरल डिब्बे में बैठकर बिना टिकट लिए मुंबई भाग गया था। पुलिस ने इसके पास से चाकू, पासपोर्ट व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपित पर पहले से झगड़े, मारपीट के छह आपराधिक केस दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 13 जून को सूचना मिली थी कि एक महिला खून से लथपथ हालत में घर में पड़ी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल हालत में डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच में पता चला कि महिला का पति फरार है।गांधी नगर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। पुलिस ने एसएचओ राजकुमार, इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार व रोबिन सिंह के नेतृत्व में तीन टीम बनाई। जांच में सामने आया कि आरोपित का फोन लगातार बंद हैं। इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय नहीं है। डिजिटल कोई सुराग नहीं मिला।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे के साथ 7.8 करोड़ की साइबर ठगी, दिल्ली पुलिस ने 4 करोड़ रुपये कराए फ्रीज

● देश के पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे और पूर्व सांसद के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और पूर्व सांसद नरेश गुजराल के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने वॉट्सऐप पर उनकी पहचान का इस्तेमाल कर उनके कर्मचारी को झांसा दिया और करीब 7.8 करोड़ रुपये एक खाते में ट्रांसफर करा लिए।

मामले की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में ई-एफआईआर दर्ज की. शुरुआती जांच में सामने आया है कि ठगी की गई रकम में से करीब 4 करोड़ रुपये पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फ्रीज करा दिए हैं।

नरेश गुजराल की फोटो लगाकर भेजा मैसेज

जानकारी के मुताबिक, ठग ने नरेश गुजराल की फोटो लगाकर उनके फाइनेंस से जुड़े एक भरोसेमंद कर्मचारी को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा. आरोपी ने खुद को नरेश गुजराल बताया और कहा कि वह एक जरूरी मीटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद उसने एक बैंक अकाउंट में आरटीजीएस के जरिए पैसे भेजने के निर्देश दिए। कर्मचारी ने ठग के मैसेज पर भरोसा करते हुए 12 से 16 जून के बीच चार अलग-अलग आरटीजीएस ट्रांजैक्शन कर दिए. इन ट्रांजैक्शन के जरिए करीब 7.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए। ठगी का खुलासा तब हुआ जब कर्मचारी ने इस लेनदेन की जानकारी नरेश गुजराल की बेटी को दी. बेटी ने जब नरेश गुजराल से बात की तो उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कोई पैसा ट्रांसफर करने का आदेश नहीं दिया था. इसके बाद परिवार को साइबर फ्रॉड की जानकारी हुई। परिवार ने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ठगी की करीब 70 फीसदी रकम को फ्रीज करा दिया।

पुलिस कर रही जांच

दिल्ली पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी कौन हैं, उन्होंने बैंक अकाउंट कैसे हासिल किए और इस साइबर गिरोह के पीछे कौन लोग शामिल हैं. फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है।

दिल्ली के माउंट कैलाश में मेड की हत्या, बैट-चाकू बरामद, आरोपी डॉक्टर भी अरेस्ट

● साउथ दिल्ली के कैलाश हिल्स में एक महिला की हत्या कर दी गई है. पुलिस ने घटनास्थल से बैट और चाकू बरामद किया. साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ ईस्ट दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. माउंट कैलाश इलाके में एक बिल्डिंग की छत पर 45 साल की मेड का शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं पास में बैट और चाकू पड़ा हुआ था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने बैट और चाकू से हमला कर महिला की हत्या की।

छत पर मिली महिला की लाश

सूचना मिलते ही अमर कॉलोनी थाना पुलिस हरकत में आई. कालकाजी एसीपी, एसएचओ अमर कॉलोनी और स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस टीम ने बिल्डिंग की छत पर जाकर देखा तो वहां एक महिला मृत अवस्था में पड़ी थी. महिला के शरीर पर चोट के निशान थे और चारों तरफ खून फैला हुआ था।

पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार किया

मृतका की पहचान मीना के रूप में हुई, जिसकी उम्र करीब 45 साल थी. पुलिस जांच में पता चला कि मीना घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। घटनास्थल पर एक डॉक्टर मनीष गुप्ता भी मौजूद था, जो मृतका के पास बैठा हुआ था. पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. पुलिस के मुताबिक, आरोपी डॉक्टर लंबे वक्त से डिप्रेशन में चल रहा है. पूछताछ में अलग अलग चीजें बता रहा है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने महिला पर हमला करने की बात स्वीकार की है. आरोपी ने बताया कि उसने पहले महिला पर बैट से वार किए और उसके बाद चाकू से हमला किया। हमले के कारण महिला की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है. जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी और मृतका के बीच क्या संबंध था. दोनों के बीच किसी तरह का विवाद था या हत्या के पीछे कोई अन्य कारण था।

क्राइम टीम ने जुटाए सबूत

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्राइम टीम को मौके पर बुलाया. क्राइम टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं. फॉरेंसिक जांच के लिए जरूरी नमूने भी लिए जा रहे हैं. इसके अलावा पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि पूरी घटना की कड़ी को जोड़ा जा सके। पुलिस के मुताबिक, वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियारों को बरामद करने की कार्रवाई की जा रही है. बैट और चाकू समेत अन्य सबूतों को जांच में शामिल किया जाएगा. अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस टीम अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले दोनों के बीच क्या हुआ था. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हत्या के कारणों और घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी। शुरुआती पूछताछ में आरोपी डॉक्टर ने बताया कि मेड कोई काला जादू करती थी. काले जादू की वजह से घर में शांति नहीं थी और पूरा परिवार परेशान था. फिलहाल पुलिस डॉक्टर से लगातार पूछताछ की जा रही है और हत्या का असली मकसद जानने की पुलिस कोशिश कर रही है।

पानी नहीं दे पा रहा जलबोर्ड, यमुनापार में रोज पौने तीन करोड़ का पानी बेच रहे माफिया

● यमुनापार में दिल्ली जल बोर्ड की नाकामी के कारण गंभीर पेयजल संकट है, जिसका फायदा उठाकर पानी माफिया अवैध भूजल दोहन से बोतलबंद पानी बेच रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार में लंबे समय से जारी पेयजल संकट के बीच दिल्ली जल बोर्ड घरों तक पर्याप्त पानी पहुंचाने में नाकाम साबित हो रहा है। इसका फायदा उठाकर पूरे क्षेत्र में पानी माफिया सक्रिय हो गए हैं और अवैध भूजल दोहन के जरिए बोतलबंद पानी का कारोबार धड़ल्ले से चला रहे हैं। पानी की किल्लत झेल रहे परिवार रोजाना 20 लीटर के कई जार खरीदने को मजबूर हैं, जिससे उनके मासिक खर्च में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में जानी जनगणना के आंकड़ों के अनुसार यमुनापार के दोनों जिलों में लगभग 11 लाख घर हैं। इनमें से 50 प्रतिशत परिवार रोजाना लगभग 50 रुपये पानी के जार पर खर्च करते हैं। ऐसे में रोज का पानी के खर्च का आंकड़ा लगभग पौने तीन करोड़ है। वेस्ट ज्योति नगर, विश्वास नगर, मुस्तफाबाद, भजनपुरा, यमुना विहार, मंडावली, पटपड़गंज, विनोद नगर और आनंद विहार समेत कई इलाकों में लोगों को या तो पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है या फिर गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। पिछले करीब तीन महीनों से जल बोर्ड से समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हजारों लोग निजी पानी सप्लायरों पर निर्भर हो गए हैं, जिससे बोतलबंद पानी का कारोबार तेजी से फैल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, 20 लीटर के एक पानी के जार की कीमत 30 से 100 रुपये तक है। हालात ऐसे हैं कि मांग बढ़ते ही कीमतों में भी इजाफा होने लगता है। शिव विहार निवासी मोहन झा ने बताया कि जल संकट से इलाके के करीब 10 हजार लोग प्रभावित हैं और कई परिवार रोजाना 20 लीटर के तीन से चार जार खरीदने को मजबूर हैं।सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज पानी के प्लांटों की तुलना में क्षेत्र में कहीं अधिक सबमर्सिबल संचालित हो रहे हैं। इससे जल संकट के बीच बड़े पैमाने पर अनियंत्रित भूजल दोहन किए जाने की आशंका जताई जा रही है।वहीं, बिना प्रभावी निगरानी के सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आग की बढ़ती घटनाओं के बीच पूर्वी दिल्ली की 119 सोसायटियों को नोटिस

पूर्वी दिल्ली। आईपी एक्सटेंशन स्थित ग्रुप हाउसिंग सोसायटी क्षेत्र में आग से सुरक्षा को लेकर इंद्रप्रस्थ विस्तार सहकारी आवास सोसायटीज महासंघ ने अहम पहल करते हुए सभी 119 सोसायटीज के लिए एडवाइजरी नोटिस जारी की है। महासंघ ने हाल के दिनों में आग की बढ़ती घटनाओं को गंभीर खतरा बताते हुए सोसायटी प्रबंधन समितियों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सरकार से भी बेहतर व्यवस्थाओं की मांग की गई है। महासंघ के फाउंडर सुरेश बिंदल ने बताया कि एडवाइजरी में सोसायटीज से कहा गया है कि वे अपने परिसर में लगे सभी अग्निशमन यंत्रों की नियमित जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखें। इसके साथ ही ओवरहेड और अंडरग्राउंड टंकियों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम और फायर पंप की समय-समय पर जांच कराई जाए।